बालीयात्रा

प्रलिम्सि के लयि:

बालीयात्रा, महानदी, बंगाल की खाड़ी, कालदिास

मेन्स के लयि:

कलगि साम्राज्य का दक्षणि पूर्व एशिया के साथ संबंध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, प्रधानमंत्री ने G20 शखिर सम्मेलन के मौके पर बाली में भारतीय प्रवासियों को अपने संबोधन में प्राचीन कलगि और दक्षणि पूर्व एशिया के बीच सदयिों पुराने संबंधों की स्मृतमिें कटक में महानदी के तट पर आयोजति वार्षकि बालीयात्रा का उल्लेख कयिा ।

- वर्ष 2022 की बालीयात्रा को कागज की सुंदर मूर्तयिों के नरि्माण हेतु ओरगिेमी की प्रभावशाली उपलब्धहिासलि करने के लयि गनिीज़ वर्ल्ड रकिॉर्ड्स में शामलि कयिा गया।

बालीयात्रा:

- **परचिय:**
  - बालीयात्रा, शाब्दकि रूप से **'बाली की यात्रा'** देश के सबसे बड़े उत्सवों में से एक है।
  - बालीयात्रा एक सप्ताह तक चलती है जो **कार्तकि पूर्णमिा (कार्तकि के महीने में पूर्णमिा की रात) से शुरू होती है।**
- **ऐतहिासकि/सांस्कृतकि महत्त्व:**
  - यह प्रतविर्ष प्राचीन कलगि (आज का ओडशिा), बाली तथा अन्य दक्षणिी और दक्षणि पूर्व एशयिाई क्षेत्रों जैसे जावा, सुमात्रा, बोर्नयिो, बरमा (म्याँमार) और सीलोन (श्रीलंका) के बीच**2,000 साल पुराने समुद्री और सांस्कृतकि संबंधों की स्मृतकिे उपलक्ष्य में आयोजति कयिा जाता है। .**
  - इतहिासकारों के अनुसार, कलगि और दक्षणि पूर्व एशयिा के बीच व्यापार की लोकप्रयि वस्तुओं में काली मरि्च, दालचीनी, इलायची, रेशम, कपूर, सोना और आभूषण शामलि थे।
  - बालीयात्रा उन वशिेषज्ञ नावकिों की सरलता और कौशल का जश्न मनाती है जन्होंने कलगि को अपने समय के सबसे समृद्ध साम्राज्यों में से एक बनाया।
- **व्यावसायकि महत्त्व:**
  - बालीयात्रा का अपने सांस्कृतकि और ऐतहिासकि तत्त्वों के अलावा एक महत्त्वपूर्ण व्यावसायकि आयाम है।
    - यह एक ऐसा समय है जब लोग ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनकि उपकरणों से लेकर स्थानीय कारीगर उत्पादों तक सब कुछ तुलनात्मक रूप से कम कीमतों पर खरीदते हैं।
    - ज़लिा प्रशासन नीलामी के माध्यम से व्यापारयिों को 1,500 से अधकि स्टालों का आवंटन करता है और मेले में 100 करोड़ रुपए से अधकि का कारोबार होने का अनुमान है।

कलगि का दक्षणि-पूर्व एशयिा से जुड़ाव:

- **उत्पत्त-बिंदरगाहों का वकिास:** कलगि साम्राज्य (वर्तमान ओडशिा) अपने गौरवशाली समुद्री इतहिास के लयि जाना जाता है। कलगि की भौगोलकि स्थतिकि कारण इस क्षेत्र में 4वीं और 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में बंदरगाहों का वकिास देखा गया था।
  - कुछ प्रसद्धि बंदरगाहों, **ताम्रलपिती, माणकिपटना, चेलतिालो, पालूर और पथिुंडा** ने भारत को समुद्र के माध्यम से अन्य देशों के साथ जुड़ने की अनुमतदिी। जल्द ही **कलगि के श्रीलंका, जावा, बोर्नयिो, सुमात्रा, बाली और बरमा के साथ व्यापार संबंध स्थापति हुए।**
    - **बाली ने चार द्वीपों का एक हसि्सा बनाया,** जन्हिें सामूहकि रूप से सुवर्णद्वीप कहा जाता था, इसे आज**इंडोनेशयिा के नाम से जाना जाता है।**

- **कलिंग के जहाज़:** कलिंग ने 'बोइता' नामक बड़ी नौकाओं का निर्माण किया और इनकी मदद से उसने इंडोनेशियाई द्वीपों के साथ व्यापार किया।
  - बंगाल की खाड़ी को **कभी कलिंग सागर के रूप में जाना जाता था** क्योंकि यह इन जहाज़ों से घिरा हुआ था।
- समुद्री मार्गों पर कलिंग के प्रभुत्व को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि कालिदास ने अपने रघुवंश में कलिंग के राजा को **'समुद्र के भगवान' के रूप में संदर्भित किया था**।
- **इंडोनेशिया के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** कलिंग के लोग अक्सर बाली द्वीप के साथ व्यापार करते थे। वस्तुओं के व्यापार ने विचारों और विश्वासों के आदान-प्रदान को भी जन्म दिया।
- **ओडिया व्यापारियों ने बाली में बस्तियों का गठन किया** और इसकी संस्कृति एवं नैतिकता को प्रभावित किया जिससे इस क्षेत्र में हिंदू धर्म का विकास हुआ।
  - हिंदू धर्म बाली अवधारणाओं के साथ अच्छी तरह से मिश्रित है और आज भी, **'बाली हिंदू धर्म'** की अधिकांश आबादी में प्रचलित है।
    - **वे शिव, विष्णु, गणेश और ब्रह्मा जैसे विभिन्न हिंदू देवताओं की पूजा करते हैं।**
    - शिव को पीठासीन देवता माना जाता था और **बुद्ध के बड़े भाई माने जाते थे।**
  - बाली के लोग शिवरात्रि, दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा जैसे हिंदू त्योहार भी मनाते हैं।
    - बाली में मनाया जाने वाला **'मसकापन के तुकड़'** उत्सव ओडिशा में बालीयात्रा उत्सव के समान है। दोनों को उनके पूर्वजों की याद में मनाया जाता है।

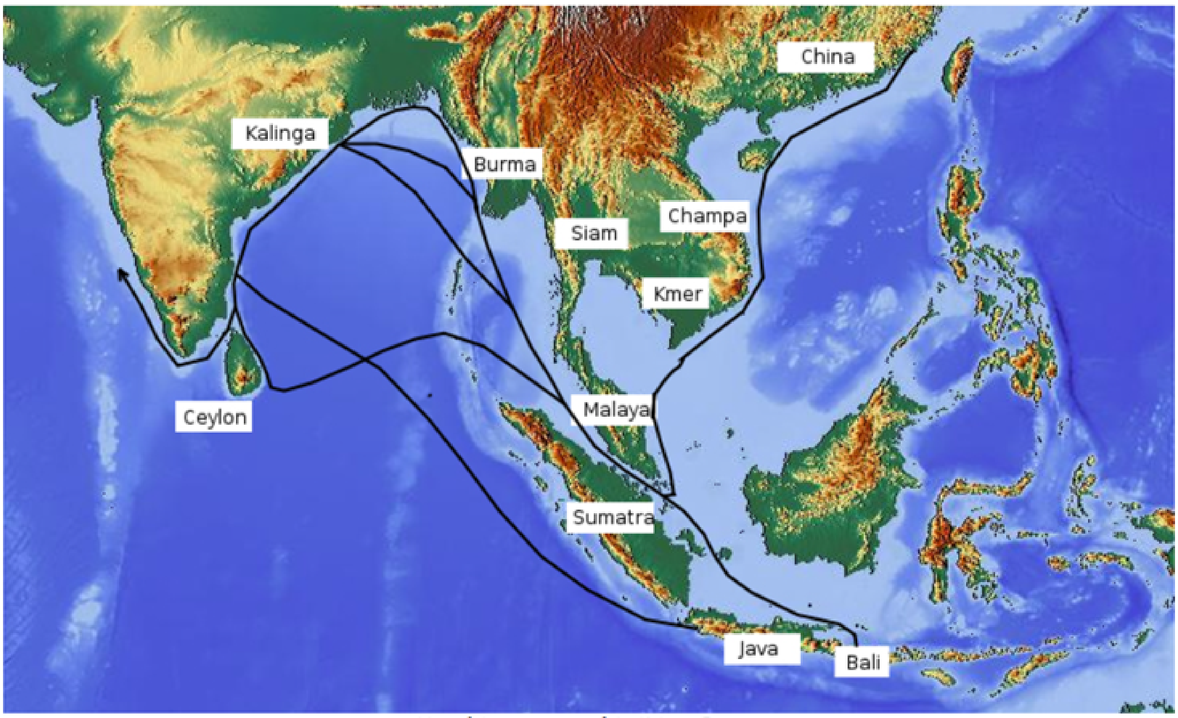

Map of the sea routes of the Kalinga Empire.

//

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/baliyatra